# Hitch of Judio

### श्रसाध: स्ण

## EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपलण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ३ 2 7 3 ]

नई दिल्ली सोमवार, नवम्बर 4, 1974/कारिक 13, 1896

No. 273]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 4, 1974/KARTIKA 13, 1896

इस भाग में भिक्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्व । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 4th November 1974

- G.S.R. 447(E).—In exercise of the powers conferred by Section 25 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the University Grants Commission (Disqualification, Retirement and Conditions of Service of Members) Rules, 1956, namely,—
- 1. (1) These rules may be called the University Grants Commission (Disqualification, Retirement and Conditions of Service of Members) (Amendment) Rules, 1974.
- (2) These shall come into force with effect from the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the University Grants Commission (Disqualification, Retirement and Conditions of Service of Members) Rules, 1956,—
  - (i) in rule 5, for Clauses (viA), (viB) and (viC) the following Clauses shall be substituted, namely,—
    - "(viA) The post of Vice-Chairman shall carry a scale of pay of Rs. 3,000-100-3500;
    - Provided that where the Vice-Chairman is a retired Government Officer, the salary so payable together with the pension or the pensionary value of terminal benefits or both, as the case may be, received by him from the Government for his past services, shall not exceed Rs. 3,500 p.m.

- (viB) The Vice-Chairman shall be paid the house rent allowance admissible to Central Government servants of the first Grade in the scale of Rs. 3000-100-3500;
- (viC) The Vice-Chairman shall be allowed travelling facilities and travelling allowance in accordance with the rules and orders applicable to Central Government Servants of the first grade in the scale of Rs. 3000-100-3500."

[No. F.9-66/74-U.2]

S. M. S. CHARI, Joint Educational Adviser.

# शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा समाज)

# ग्रधियुचना

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1974

जी॰ एमः मार॰ 447 (म्र) .--विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 25 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार विष्व-विद्यालय अनुदान आयोग नियम, 1956 (सदस्यों की अनाहर्नाएं, सेवा निवृत्ति और सेवा शर्तीं) में श्रीर संशोधन करने हेत् एनद्वारा निम्नलिखिन नियम बनाती है; श्रर्थात:--

- 1. (1) इन नियमों को विश्वविद्यालय श्रनुदान श्रायोग (सदस्यों के लिए श्रनार्हना, सेवा निवृत्ति तथा सेवा शर्ती) (संगोधन) नियम, 1974 कहा जाए।
  - (2) ये नियम सरकारी राजपत्न में इनके प्रकाशित होने को तारीख से लागू होंगे।
- 2. विश्वविद्यालय अनुदान श्रायोग (सदस्यों की अनाईता, मेवा निवत्ति तथा सेवा शर्ती) नियम. 1956 में:---
- (1) नियम 5 में खण्ड (Viक), (Viख) और (Viग) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित कर दिए जाएं , अर्थान् :—-
  - " $(V_{i}$ क) उपा**ष्**यक्ष के पद कर वेतनमान 3,000–100–3500 रुपये होगा ;

बणतें कि यदि उपाध्यक्ष कोई सेवा निवृत्त सरकारी श्रधिकारी हो तो उसे इस प्रकार दिल् जाने वाला वेतन तथा पेंशन श्रथवा सेवा-समाध्ति लाभों के पेंशन मृल्य श्रथवा दोनों को मिलाकर, जैसी भी स्थिति हो, उसे सरकार द्वारा उसकी पिछची सेवाश्रों के लिए प्राप्त राशि, 3,500 क्वये प्रति मास से श्रधिक नहीं होगी।

- (Vi ख) उपाध्यक्ष की 3000-100-3500 एत्ये के विननमान में प्रथम ग्रेड के केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को ग्रनुमत्य मकान किराया भत्ता दिया जाएगा।
- (Vi ग) उपाध्यक्ष को 3000-100-3500 रुपये के वेतनमान में प्रथम ग्रेड के केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों पर लागू होने वाल नियमों श्रीर श्रादेशों के श्रनुसार यात्रा की सुविधाएं श्रीर भत्ता मिल सकेगा।"

[सं० एफ० 9-66/74-यू० 2] ्रम० एम० एस० चारि, संयुक्त शिक्षा मलाहकार।